नईदुनिया

राष्ट्रपति जरदारी, नवाज शरीफ और इमरान खान की मुलाकात संभव

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान एक साथ बैठक कर सकते हैं। ऐसे संकेत पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता राजा परवेज अशरफ ने दिए हैं। खबर के अनुसार, पीपीपी नेता अशरफ ने कहा कि जरदारी, नवाज शरीफ और इमरान खान मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं। वक्त आने पर तीनों एक साथ बैठक कर सकते हैं। अशरफ ने गुरुवार को पीटीआई वार्ता समिति से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह संकेत दिए। उन्होंने कहा कि समिति का रुख सकारात्मक है। समिति और हुकूमत के बीच बातचीत अच्छे माहौल में हो रही है। उन्होंने खुलासा किया कि पीटीआई ने अभी तक औपचारिक रूप से अपनी मांगें पेश नहीं की हैं, लेकिन उसने कार्यकर्ताओं की रिहाई और नौ मई और 26 नवंबर की घटनाओं की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की है। उन्होंने कहा कि पीटीआई प्रतिनिधियों ने भी अपने नेतृत्व से परामर्श करने के लिए समय मांगा है। अशरफ ने कहा कि मुल्क को मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों से उबरने के लिए आम सहमति की आवश्यकता है। स्थिरता के लिए बातचीत जरूरी है। उल्लेखनीय है कि हुकूमत और पूर्व सत्तारूढ़ दल पीटीआई ने गुरुवार को दूसरे दौर की बातचीत की। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

न्यूज ब्रीफ

रेड क्रॉस ने गाजा में तत्काल सहायता पहुंचाने का किया आह्वान

जिनेवा। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) ने गाजा में हाइपोथर्मिया की वजह से शिशुओं की हुई मौतों को लेकर तत्काल वहां सहायता पहुंचाने का आह्वान किया है। नवजात शिशुओं और शिशुओं की हाइपोथर्मिया से संबंधित मौतों की रिपोर्टों के बीच इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के प्रमुख ने गाजा में तत्काल मानवीय पहुंच के लिए दबाव डाला। आईएफआरसी के महासचिव एक्स पर पोस्ट कर कहा, गाजा में हाइपोथर्मिया से बच्चों के मरने की संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें वहां मानवीय संकट की गंभीर गंभीरता को रेखांकित करती है। मैं मानवतावादियों को सुरक्षित और निर्बाध पहुंच प्रदान करने के लिए तत्काल अपना आह्वान दोहराता हूं ताकि उन्हें जीवन रक्षक सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षित पहुंच के बिना - बच्चे ठंड से ठिठुर कर मर जायेंगे। सुरक्षित पहुंच के बिना - परिवार भूखे मर जायेंगे। सुरक्षित पहुंच के बिना - मानवीय कार्यकर्ता जान नहीं बचा सकते। आईएफआरसी ने दोहराया कि नागरिकों की जान बचाने के लिए सभी कदम उठाए जाने चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उन्हें भोजन, पानी और चिकित्सा देखभाल सहित जीवन की बुनियादी जरूरतें मिल सकें।

पत्नी को टीवी देखते हुए छोड़ा थोड़ी ही देर में हुई गायब

एडिन। यहां की एक बुजुर्ग महिला के रहस्यमय तरीके से गायब होने के मामले ने सबको हैरान कर दिया था। दरअसल, उसके पति ने कुछ समय के लिए उसे अकेला छोड़ा, जिसके तुरंत बाद महिला बिना किसी सुराग के लापता हो गई। हालांकि, अब दो साल बाद यह गुत्थी सुलझ गई है और वो भी गूगल मैप्स की मदद से। मार्सेल टेरेट अपनी 83 वर्षीय पत्नी पॉलिट लैंड्रिएक्स जो अल्जाइमर रोग से पीड़ित थीं, के इकलौते केयरटेकर थे। पॉडकास्टर मिस्टर बैलन ने हाल ही में एक वीडियो में बताया कि यह मार्सेल के लिए एक फुलटाइम जॉब था। उन्होंने कहा, पॉलिट को समय पर खाना याद दिलाना या दवाइयां लेने के लिए याद दिलाना पड़ता था। कभी-कभी वह बिना बताए इधर-उधर भटक जाती थीं और मार्सेल को उन्हें ढूंढकर वापस घर लाना पड़ता था। 2 नवंबर 2020 को, मार्सेल ने पॉलिट को कुछ मिनटों के लिए अकेला छोड़ दिया ताकि वह अपने कपड़े सुखाने की लाइन पर टांग सके। यह आखिरी बार था जब उसने अपनी पत्नी को जीवित देखा। अपना काम करने से पहले, मार्सेल ने अपनी पत्नी को टीवी के सामने एक अच्छा लंच देकर बिठा दिया था। उसने सोचा था कि जब वह वापस आएगा तो उसकी पत्नी अपने पसंदीदा शो को खुशी-खुशी देख रही होंगी, लेकिन उसकी हैरानी की बात यह थी कि वह वहां नहीं थीं। भय से कांपते हुए, मार्सेल कमरे-से-कमरे अपनी पत्नी को ढूंढते रहे। बैलेन ने याद करते हुए कहा, मार्सेल पत्नी को खोजते हुए घर के बाहर गए, लेकिन वह वहां नहीं थीं। उन्होंने कुछ पड़ोसियों के दरवाजे भी खटखटाए, लेकिन किसी ने उन्हें नहीं देखा था। इसके बाद घबराकर उन्होंने पुलिस को फोन किया और एक घंटे से भी कम समय में, राहत की सांस ली जब उन्होंने बेल्जियम के एंडेन में अपने घर के ऊपर एक सर्च एंड रेस्क्यू हेलीकॉप्टर को मंडराते देखा। मार्सेल को यकीन था कि किसी न किसी तरह, वह जल्द ही पता लगा लेंगे कि उनकी पत्नी के साथ क्या हुआ। लेकिन रात हो गई, और पॉलिट का कोई पता नहीं चला। बैलेन ने बताया, अगले कुछ दिनों और हफ्तों में भी पॉलिट नहीं मिली। किसी को भी नहीं पता था कि वह कहां हैं, और हफ्ते महीनों में बदल गए और फिर महीनों ने दो साल पूरे कर दिए, लेकिन किसी ने पॉलिट को नहीं देखा।

बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष ने खालिदा जिया से मुलाकात की

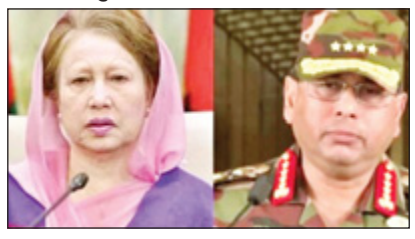

ढाका। बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष जनरल वेकर-उज-जमान ने रात को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया से मुलाकात की। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य सायरुल कबीर खान ने कहा, सेना प्रमुख अपनी पत्नी के साथ बीती रात करीब साढ़े आठ बजे बीएनपी प्रमुख के गुलशन निवास फिरोजा पहुंचे। खबर के अनुसार खालिदा जिया के सुरक्षा मामलों के सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) फजले इलाही अकबर ने सेना प्रमुख और उनकी पत्नी का स्वागत किया। सायरुल ने कहा कि 40 मिनट की शिष्टाचार मुलाकात के दौरान चर्चा मुख्य रूप से पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वास्थ्य के इर्द-गिर्द घूमती रही। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने खालिदा का हालचाल पूछा और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

अमेरिका के फुलर्टन शहर में विमान गोदाम से टकराया, दो की मौत, 18 झुलसे

वाशिंगटन

दक्षिणी कैलिफोर्निया के फुलर्टन शहर में गुरुवार को हुए विमान हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 18 झुलस गए। बताया गया कि एक छोटा विमान व्यावसायिक गोदाम की छत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान आग लग गई। गोदाम से 100 लोगों को सुरक्षित निकालकर बचा लिया गया।

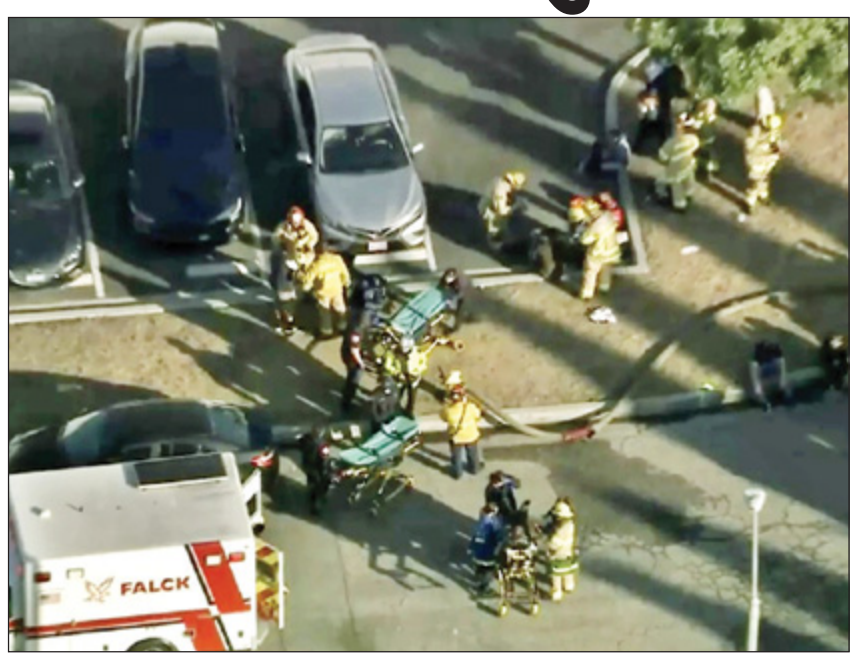

फुलर्टन पुलिस के प्रवक्ता क्रिस्टी वेल्स ने बताया कि पुलिस को गुरुवार दोपहर 2:09 बजे ऑरेंज काउंटी के फुलर्टन शहर में हुए विमान हादसे की सूचना मिली। दमकलकर्मियों और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बुझाई और आसपास के भवनों को खाली कराया। आग ने एक गोदाम को नुकसान पहुंचाया। गोदाम में सिलाई मशीनें और कपड़े का स्टॉक रखा हुआ था। यह हादसा फुलर्टन म्यूनिसिपल हवाई अड्डे से लगभग आधा मील दूर हुआ। झुलसे लोगों के इलाज के लिए पास में ही व्यवस्था की गई। दुर्घटनाग्रस्त विमान की पहचान एकल इंजन वैन के आरवी-10 के रूप में की गई है।

फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइट अवेयर के डेटा से पता चला कि यह विमान दोपहर 2:07 बजे छोटे हवाई अड्डे से निकल रहा था। हवाई यातायात नियंत्रण टॉवर से प्राप्त ऑडियो के अनुसार विमान ने फुलर्टन हवाई अड्डे से उड़ान भरी ही थी कि पायलट ने घोषणा की कि तत्काल लैंडिंग की आवश्यकता है।

ऑडियो में, पायलट शुरू में कहता है कि वह रन-वे 6 पर उतरने जा रहा है। इस कारण हवाई यातायात नियंत्रक को दूसरे विमान को उस क्षेत्र से दूर जाने के लिए कहना पड़ा। इसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक पायलट को बताता है कि लैंडिंग के लिए रन-वे 6 या 24 में से कोई एक खाली है।

फिर पायलट कहता है कि वह रन-वे 24 पर उतरने जा रहा है। एक मिनट से भी कम समय के बाद पायलट कहता है ओह माय गॉड। इसके बाद उसकी आवाज शांत हो जाती है। यह विमान हंटिंगटन बीच निवासी के नाम पर पंजीकृत है। यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दुर्घटना के समय वह विमान में थे या नहीं। फुलर्टन के मेयर फ्रेड जंग का कहना है कि दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

अमेरिका में आतंक मचाने वाले शमशुद्दीन की थी 1 करोड़ सैलरी, फिर भी था तंगहाल

वॉशिंगटन। न्यू ऑरलियंस में मासूमों का खून बहाने वाले शमशुद्दीन जब्बार की सालाना कमाई ठीक-ठाक थी। वह डेलॉइट कंपनी में काम करता था। उसकी सैलरी सालाना 125000 डॉलर (1 करोड़ रुपये से ज्यादा) थी। कंपनी की ओर से जुलाई 2022 में जारी चेक से उसकी सालाना इनकम के बारे में जानकारी मिली है। एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए यह रकम काफी थी। इसके बावजूद शमशुद्दीन जब्बार संकटों से घिरा रहता था। बता दें कि न्यू ऑरलियंस में जब लोग मस्ती में झूम रहे थे, तब शमशुद्दीन काल बनकर आया और भीड़ पर तेज रफ्तार ट्रक चढ़ाकर 15 लोगों को मौत की नींद सुला दी। इस हमले में कई अन्य घायल हो गए। शमशुद्दीन जब्बार एंटरप्रोन्योर टाइप का इंसान था, लेकिन कट्टरपंथियों के फेर में फंसने के बाद आतंकवाद की राह पर चल दिया। जानकारी के अनुसार, पहली शादी से उसके दो बच्चे थे, जिनके लालन-पालन की जिम्मेवारी उसी पर थी। शमशुद्दीन ने ब्लू मिडो प्रॉपर्टीज के नाम से एक कंपनी खोली थी, जो आर्थिक संकट से गुजर रही थी। शमशुद्दीन की हालत ऐसी हो गई थी कि उसपर क्रेडिट कार्ड का 40,000 अमेरिकी डॉलर (34.32 लाख रुपये) का कर्ज हो गया था। उसका खर्च इनकम से कहीं ज्यादा हो चुकी थी। बच्चों की देखभाल भी मुश्किल हो चुका था। आखिरकार उसने बर्बादी और तबाही का रास्ता चुना।

चीन में फिर शुरु हुई कोरोना जैसी तबाही, रहस्यमयी वायरस ने मचा दी उथल पुथल

बीचिंग

कोरोना के बाद अब चीन में एक और वायरस ने तबाही मचा दी है। यहां अस्पतालों में जमकर भीड़ हो रही है और श्मशान घाटों पर लंबी कतारें लगी हुई हैं। जी हां, चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप फैलता जा रहा है। इसकी वजह से चीन में फिर से कोरोना जैसा नजारा दिख रहा है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है। श्मशान घाट भी भर चुके हैं।

चीन का यह सच सोशल मीडिया पर अब आग की तरफ फैल रहा है। कई रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा है कि यह नया वायरस एचएमपीवी तेजी से फैल रहा है। चीन पर नजर रखने वाले कुछ लोगों का तो यह भी दावा है कि अस्पताल और श्मशान घाट भी अब भर चुके हैं। लोग इस वायरस की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में अस्पतालों में भीड़ दिखाई दे रही है। कुछ यूजर्स का कहना है कि चीन में एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 समेत कई वायरस एक साथ फैल रहे हैं। चीन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। हालांकि, अब भी इस वायरस को लेकर बहुत कुछ सही से बता नहीं रहा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन अभी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से पूरी तरह तबाह है। एचएमपीवी में फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। इसके लक्षण भी कोविड-19 जैसे ही होते हैं। फिलहाल, चीन के हाथ पांव फुल चुके हैं। उसके स्वास्थ्य महकमे को कुछ समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा। इसलिए स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं।

एक रिपोर्ट की मानें तो चीन के रोग नियंत्रण प्राधिकरण ने शुक्रवार को कहा कि वह अज्ञात तरीके के निमोनिया के लिए एक निगरानी प्रणाली चला रहा है। सर्दियों में सांस संबंधी रोगों के मामले बढ़ने की आशंका है। एक खास सिस्टम स्थापित करने का मकसद अधिकारियों को अज्ञात रोगजनकों से निपटने के लिए प्रोटोकॉल स्थापित करने में मदद करना है। पांच साल पहले जब कोविड-19 का कारण बनने वाला कोरोना वायरस पहली बार सामने आया था, तब यह तैयारी बहुत कम थी।

दरअसल, ह्यूमन मेटापन्यूमोवायरस एक आरएनए वायरस है। यह न्युमोवायरिडे परिवार के मेटापन्यूमोवायरस क्लास से जुड़ा है। इसे सबसे पहले 2001 में डच शोधकर्ताओं ने खोजा था। यह वायरस तब सामने आया था रिसर्चर जब श्वसन संक्रमण यानी सांस संबंधी बीमारी से पीड़ित बच्चों के नमूनों का अध्ययन कर रहे थे। अध्ययनों से पता चला है कि यह वायरस कम से कम छह दशकों से मौजूद है। यह एक सामान्य श्वसन रोगजनक के रूप में पूरी दुनिया में फैल गया है।

पिरामिड देखने पहुंचे पर्यटक

मिस्र में एक पर्यटक गिजा पिरामिड देखने के लिए पहुंचा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के आवास पर पुलिस बल के पहुंचे जांच अधिकारी

सियोल

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के आधिकारिक आवास पर शुक्रवार सुबह जांच अधिकारियों का बड़ा दल पुलिस बल के साथ पहुंच गया। इस दौरान जांच दल को राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के अधिकारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। फिलहाल जांच दल राष्ट्रपति के आवास पर ही है। अगर येओल आवास पर होंगे तो उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है।

जांच दल में शामिल अधिकारी राष्ट्रपति येओल के निवास भवन तक पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। हालांकि जांच दल को राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के विरोध का सामना करना पड़ा। जांच दल ने अदालत का वारंट प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति के सुरक्षा कार्यालय प्रमुख ने तलाशी की अनुमति देने से इनकार कर दिया। जांच दल में भ्रष्टाचार जांच कार्यालय और पुलिस के लगभग 50 अधिकारी शामिल हैं।

यह लोग सुबह लगभग 8: 03 बजे राष्ट्रपति निवास परिसर में दाखिल हुए।

जांच दल शुक्रवार को यून को हिरासत में लेने में कामयाब होता है, तो उन्हें पूछताछ के लिए 48 घंटे का समय मिलेगा। इसके बाद अगर दल उन्हें गिरफ्तार करता है तो इसकी अनुमति कोर्ट से लेनी होगी। अदालत के नए वारंट जारी करने पर ही येओल की गिरफ्तारी संभव हो पाएगी।

नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति भंडारी और उपराष्ट्रपति किशोर पुनः दलगत राजनीति में सक्रिय

काठमांडू

आम तौर पर संवैधानिक भूमिका में रहे राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने वाला व्यक्ति पद से हटने के बाद दलगत राजनीति में सक्रिय नहीं होता है। संविधान द्वारा प्रदत्त इस पद की गरिमा का मान रखते हुए जो भी व्यक्ति देश के इन दो सर्वोच्च पदों पर पहुंचता है तो वह अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सक्रिय राजनीति से अघोषित संन्यास ले लेता है।

लेकिन नेपाल में यह विषय अपवाद का बन गया है। देश का संविधान जारी होने के बाद पहली बार राष्ट्रपति चुनी गईं विद्या भण्डारी और उपराष्ट्रपति नन्द किशोर दोनों ही पुनः

एक साथ दलगत राजनीति में सक्रिय होते दिखाई दे रहे हैं । इस पद आने से पहले भंडारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की उपाध्यक्ष थीं वहीं किशोर माओवादी पार्टी के केंद्रीय सदस्य थे।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद ये दोनों ही पिछले कुछ दिनों से

सक्रिय राजनीति में आने का संकेत दे रहे हैं। गुरुवार को हुई माओवादी केंद्रीय सचिवालय की बैठक में शामिल नन्द किशोर पुनः को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाए जाने की तैयारी है। माओवादी पार्टी के महासचिव देव गुरूंग ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष प्रचण्ड ने सचिवालय बैठक में पूर्व उपराष्ट्रपति पुनः को उपाध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा है।

उधर पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने भी अलग-अलग मीडिया को दिए साक्षात्कार में खुद के दलगत राजनीति में सक्रिय होने का संदेश दे दिया है। उनका तर्क है कि नेपाल के संविधान में कहीं भी ऐसा नहीं लिखा है कि जो व्यक्ति राष्ट्रपति के पर पर पहुंच गया हो वह पुनः सक्रिय राजनीति में नहीं आ सकता है।

यह महज संयोग ही है कि जिस दिन पूर्व उपराष्ट्रपति माओवादी की पार्टी बैठक में सहभागी हुए उसी दिन यानि गुरुवार को ही पार्टी सचिवालय की बैठक के तुरंत बाद प्रधानमंत्री समेत रहे एमाले पार्टी के अध्यक्ष सीधे विद्या भण्डारी के निवास पहुंच कर उनसे ढाई घंटे तक चर्चा की थी। भंडारी को फिर से राजनीति में सक्रिय करने और आने वाले पार्टी महाधिवेशन से उनको अध्यक्ष बनाने के लिए एक बड़ा समूह लगा हुआ है।

एमाले के नेता गोकुल बास्कोटा ने कहा कि विद्या भंडारी पहले भी पार्टी उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुकी है अगर आने वाले महाधिवेशन से उनको पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाता है तो निश्चित ही पार्टी और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। उनका तर्क है कि केपी ओली के बाद पूरी पार्टी में एक वो ही ऐसी नेता हैं जो सर्वसम्मति से नेतृत्व से सकती हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि यदि विद्या भंडारी को पार्टी का कमान सौंपा जाता है तो पिछले पांच वर्ष में जितने भी बड़े-बड़े नेता पार्टी छोड़ कर गए हैं वो सब वापस पार्टी में वापस आ सकते हैं और उनके नेतृत्व में नेपाल के सभी कम्युनिष्ट दलों को फिर से एक किया जा सकता है।